संपादकीय

जुलाई 2022

संरक्षक
डॉ. सुधीर कुमार

मुख्य संपादक
डॉ. अनिल कुमार लोहनी

परामर्शदाता
इं. ओमकार सिंह
डॉ. मुकेश कुमार शर्मा
डॉ. सोबन सिंह रावत
डॉ. मनीष कुमार नेमा
डॉ. गोपाल कृष्ण
डॉ. पी.के. मिश्रा
डॉ. विशाल सिंह

संपादक
डॉ. मनोहर अरोड़ा

उप संपादक
प्रदीप कुमार उनियाल

सह संपादक
पवन कुमार

प्रकाशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन,
रूड़की-247667
उत्तराखंड

मुद्रक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की

''जल चेतना'' पत्रिका का नवीनतम अंक सुधी पाठकों को सौंपते हुए हमें हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। पूर्व प्रकाशित अंकों की भांति इस अंक में भी वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को सरल, सुबोध एवं प्रचलित भाषा में प्रस्तुत किया गया है जिससे कि हर वर्ग का पाठक जल संबंधी शोध एवं विकास कार्यों की नई-नई जानकारियों का लाभ उठा सके। हमें विश्वास है कि यह अंक भी हमारे पाठकों को रुचिकर, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी लगेगा। प्रायः यह देखा जाता है कि तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति की जानकारियां अंग्रेजी भाषा के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित की जाती हैं परंतु संस्थान ने इस पत्रिका के माध्यम से यह प्रयास किया है कि हिंदी भाषा भाषी पाठकों को विज्ञान एवं तकनीकी की स्तरीय सामग्री उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध कराई जाए। यह क्रम वर्ष 2011 से निरंतर जारी है। पत्रिका में जल से जुड़े लेखों को प्राथमिकता देते हुए कविताओं, कार्टूनों व लघु कहानियों को भी स्थान दिया गया है।

इस अंक में वॉटर थेरेपी:बिना दवा के उपचार, हिमालयी हिमनदों का उत्तर भारत की महान नदी प्रणालियों में योगदान, हिमालय में प्राकृतिक आपदा-कारण एवं निवारण, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए प्राकृतिक आर्द्रभूमियों के लिए एकीकृत संरक्षण रणनीतियाँ इत्यादि जैसे रोचक, महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों को शामिल किया गया है। जल से जुड़े लेखों के अलावा कुछ अन्य रोचक विषयों जैसे भूमिगत संसाधनों पर बढ़ता दबाव एक चुनौती, जल है तो कल है, जल समाचार, जल बूँद इत्यादि पर लिखे गए लेखों को भी सम्मिलित किया गया है।

हमारे देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में आज जल संकट निरंतर गहराता जा रहा है। अतः जल का संरक्षण व सदुपयोग आज की महती आवश्यकता बन गया है। इन समस्याओं से निपटने के लिए यह जरूरी है कि जनमानस को जल के विभिन्न गुण-धर्मों की पर्याप्त जानकारी हो। अतः इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य जल से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारियों को सामान्य जन मानस तक उनकी अपनी आम बोल चाल की भाषा ''हिंदी'' के माध्यम से पहुंचाना है। जन जागरूकता अभियान तथा प्रचार-प्रसार की दृष्टि से यह पत्रिका निःशुल्क वितरित की जाती है।

संपादक मंडल उन समस्त विद्वत लेखकों का हृदय से आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपने रोचक एवं उपयोगी लेख देकर हमारा उत्साह बढ़ाया है। जल चेतना के इस अंक में जिन स्रोतों से चित्रों का संकलन किया गया है, संपादक मंडल उनका भी हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

हमें विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को अत्यन्त रोचक तथा उपयोगी लगेगी। पत्रिका के आगामी अंकों को और अधिक आकर्षक एवं रोचक बनाने तथा सामग्री व साज-सज्जा में अपेक्षित सुधार लाने के लिए समस्त सुधी पाठकों से उनके महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित हैं।

जल चेतना
मूल्य : निःशुल्क
शिकायत: 01332-249228, 249234
ई–मेल : jalchetna44@gmail.com

सम्पादकीय : 01332-249214, 249234,
फैक्स : 01332-272123
ई–मेल : jalchetna44@gmail.com
वेब साइट : www.nihroorkee.gov.in

© राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
पत्रिका में प्रकाशित आलेख एवं रचनाओं में प्रस्तुत तथ्य लेखकों के अपने विचार हैं, संपादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
पत्रिका से सम्बन्धित सभी विवाद रूड़की न्यायालय द्वारा ही निपटाए जायेंगे।